

# Most Important Question and answer

भारत के प्रमुख मंदिर तथा अन्य धर्मों के तीर्थ स्थल की जानकारी दी गयी है।

वैसे से आये दिन न्यूज पेपर, परीक्षा, तथा समाज में किसी ना किसी के धर्म विशेष की घटना देखने को मिल ही जाती है इसीलिए इस लेख में भारत में हिन्दू धर्म के प्रमुख तीर्थस्थल उसके बाद बौद्ध धर्म के तीर्थस्थल, मुस्लिम धर्म के तीर्थस्थल और अंत में जैन धर्म के तीर्थस्थलों को समझेंगे।

प्रमुख मंदिर जिनका वर्णन किया गया है

इस लेख में मीनाक्षी मंदिर (Meenakshi Temple), वृहदेश्वर मंदिर (Brihadeeswarar Temple), नटराज मंदिर (Natraj temple), मामल्ल पुरम मंदिर (Mamallapuram Temple) और केदरिया महादेव मंदिर (kedriya mahadev Temple) आदि, मंदिरों को समझेंगे तथा इनके इतिहास को भी जानेगे, प्रत्येक वर्ष यहाँ से कुछ न कुछ पूँछा ही जाता है।

हिन्दू धर्म के तीर्थस्थल ज्यादातर भारत धर्म की पावन भूमि है, दुनियाभर के हिन्दू इलाहबाद, हरिद्वार, वाराणसी, तमिलनाडु, केरला, और मथुरा वृंदावन जैसे तीर्थ स्थलों को अपना पवित्र स्थल मानते हैं।

प्रमुख मंदिर वाले शहर :-

**मीनाक्षी मंदिर ( Meenakshi Temple):-**

यह तमिलनाडु राज्य (Madurai, Tamil Nadu) के मदुरई शहर में स्थिति है इसको कुलशेकर पंडियन (पंड्यान शासकों) ने बनवाया था।

**वृहदेश्वर मंदिर (Brihadeeswarar Temple):-**

यह 11वीं सदी चोल शासकों द्वारा प्रथम राजाराज चोल ( chola rules= RajaRaja Chola) ने 1003-1030 में बनवाया था। यह उस समय की बात है जब महमूद गजनबी ने भारत आक्रमण किया था तथा यह मंदिर विश्व का प्रथम ग्रेनाइट मंदिर है जो सिर्फ एक 80 टन के ग्रेनाइट के टुकड़े से बनाया गया था।

जब महमूद गजनबी भारत से धन लूट कर के जा रहा था उस समय किसका राज्य था?

चोला शासकों का राज्य था इस दौर को 10वीं और 11वीं सदी का माना जाता है।

**नटराज मंदिर (Natraj temple ):-**

यह मंदिर तमिलनाडु में स्थित है तथा इसकी स्थापना 10वीं, 12वीं सदी के चोल में हुई थी। यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है तथा इसका श्रेय राजेंद्र चोला को जाता है।

**मामल्ल पुरम मंदिर (Mamallapuram Temple):-**

यह मंदिर का निर्माण सातवीं शताब्दी में पल्लव वंश के शासकों द्वारा कराया गया, जिसका नाम नरसिंह वर्मन (Narasimha Varman) था यह तमिलनाडु में स्थित है।

**कोलाश मंदिर ( Kailash Temple, kanchi):-**

कांचीपुरम तमिलनाडु (kanchipuram Tamil Nadu) में स्थित, पल्लव वंश के राजा राजसिम्हा ने बनवाया इसका ही दूसरा नाम नरसिंहवर्मन द्वितीय है तथा जो बचा हुआ कार्य था उसको उनके बेटे महेन्द्रवर्मन तृतीय ने सामने के आग्रभाव और गोपुरम (टावर) ने पूरा किया।

**गंगैकोण्ड चोलपुरम ( Gangaikonda Cholapuram):-**

यह मंदिर तमिलनाडु के त्रिचुरापल्ली में है तथा इसको राजेंद्र चोल प्रथम को जाता है।

**पदमनाभारस्वमी मंदिर (padmanabhaswamy Temple):-**

यह मंदिर केरल राज्य की राजधानी तिरुवनंतपुरम में स्थित है तथा इसकी स्थापना 1733 त्रावणकोर के महाराजा मार्तण्ड वर्मा के द्वारा किया गया था हालांकि ऐसा भी कहा जाता है कि इन्होंने सिर्फ इसका पुननिर्माण कराया था।

**नेल्लेई अपार मंदिर (Nellei Apar Temple):-**

तमिलनाडु के तिरुनलवली जिले में स्थित है इसकी स्थापना 700AD में early पंड्या ने इसका निर्माण कराया था।

**केदरिया महादेव मंदिर (kedriya mahadev Temple):-**

यह भगवान शिवा का मंदिर है जिसको विधाधारा (chandel vidyadhara) ने बनवाया था जोकि एक चंदेल शासक थे यह भी कहा जाता है कि इसको दंददेवा (Dand deva) ने इसका निर्माण कराया था।

**केदारनाथ मंदिर (Kedarnath Temple):-**

यह उत्तराखंड राज्य के रुद्रप्रयाग जिले में स्थित है इसको किसने बनवाया था इसके साक्ष्य तो नहीं मिले हैं लेकिन किताबों से पता चलता है कि इसे जगत गुरु आदि शंकराचार्य (Jagat Guru Adi Sankracharya) ने बनवाया था।

**बद्रीनाथ मंदिर (Badrinath Temple):-**

यह मंदिर उत्तराखंड में है इसकी स्थापना आदि शंकराचार्य द्वारा की गयी थी।

**दिलवाडा जैन मंदिर (jain temple of Dilwara):-**

यह मंदिर राजस्थान राज्य के सिरोही जिले के आबू पहाड़ी पर स्थित है तथा इसको वास्तु पाल और तेजपाल भाइयों ( Vastu Pal and Tejpal) द्वारा 11वीं से 13वीं शताब्दी में बनवाया गया था।